गृह विज्ञान महाविद्यालय

गृह विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर 01 सितम्बर, 1988 में स्थापित हुआ। यह महाविद्यालय विगत 28 वर्षों से छात्राओं को स्नातक एवं पिछले 17 वर्षों से स्नातकोत्तर तथा विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान कर रहा है। यह महाविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रत्यायन प्राप्त है । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की अनुशंषा पर वर्तमान में गृह विज्ञान महाविद्यालय का नाम बदलकर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय कर दिया है।

वर्तमान पाठ्यक्रम

- चार वर्षीय स्नातक उपाधि : 40 विद्यार्थी प्रति वर्ष
- दो वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि : 10 विद्यार्थी प्रति वर्ष
  (खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबन्धन)
- विद्यावाचस्पति उपाधि : 06 विद्यार्थी प्रति वर्ष
  (खाद्य एवं पोषण, गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबन्धन विभाग)
- स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम : महाविद्यालय द्वारा पोषण एवं आहार विशेषज्ञता में एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित है।
- महाविद्यालय में वर्ष 1993 में 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रयोगशाला नर्सरी स्कूल प्रारम्भ किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को वैज्ञानिक तकनीक से विकसित किये गये खेल व खिलौनों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना है।

अनुभवात्मक शिक्षा इकाईयां

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से महाविद्यालय में विद्यार्थियों को स्वरोजगार प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के उद्देश्य से दो अनुभवात्मक शिक्षा इकाईयाँ 'सूचना सामग्री की रूपरेखा एवं विकास' तथा 'परिधान उत्पादन' वर्ष 2012-13 में स्थापित की गईं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- महाविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तीय पोषित कई शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक सम्पादित किया है।

उपलब्धियाँ

- महाविद्यालय के डिग्रीधारी विद्यार्थी सरकारी/अर्द्ध-सरकारी/निजी संस्थानों जैसे अस्पतालों, सिलाई इकाइयों, फैशन बुटिक, होटलों, विद्यालयों, नर्सरी स्कूलों, मीडिया हाउस व गैर सरकारी संगठनों इत्यादि में अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे हैं। कुछ विद्यार्थी स्वयं के रोजगार विकसित कर स्वावलंबी भी बने हैं।

सह – शैक्षणिक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी महाविद्यालय द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु वर्ष भर चलाऐं जाते है।

अन्य गतिविधियाँ

- महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रदर्शनियाँ लगाकर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के उत्पादों व गतिविधियों को प्रर्दशित किया जाता है।
- गाँवों में स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओं, महिला अधिकारों इत्यादि पर रैली निकालना।
- ग्रामीण महिलाओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम, विशेष दिवसों जैसे – अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस आदि का आयोजन करना।
- विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाना।
- ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव के द्वारा विद्यार्थियों को ग्रामीण परिवेश में कार्य करने का प्रायोगिक अनुभव प्रदान किया जाता है।